

अंतर्वेदी पुं. (तत्.) 1. ऐसी भूमि जिसमें यज्ञवेदियाँ विद्यमान हों 2. दो नदियों के बीच का स्थान, दोआबा 3. अंतर्वेद क्षेत्र का निवासी 4. गंगा तथा यमुना के मध्यवर्ती स्थान का प्राचीन नाम।

अंतर्वेशन पुं. (तत्.) 1. भीतर प्रविष्ट कराने या मिला देने की स्थिति या प्रक्रिया 2. किसी मूलवस्तु या ग्रंथ में अन्य वस्तु या लिखित सामग्री का अनावश्यक रूप में समावेश, प्रक्षेप 3. गणि. वह प्रक्रम जिसके अनुसार किसी फलन के दो ज्ञात मानों के बीच स्थित किसी मान को सन्निकट रूप से ज्ञात किया जाता है। interpolation

अंतर्वेष्टिनी नाड़ी स्त्री. (तत्.) योग. मूलाधार में स्थित सूक्ष्म नाड़ी जिसमें कुंडलिनी शक्ति निवास करती है।

अंतर्व्यथा स्त्री. (तत्.) आंतरिक पीड़ा, मानसिक कष्ट, बेचैनी, हृदय की व्याकुलता, विकलता।

अंतर्व्याधि स्त्री. (तत्.) 1. आंतरिक रोग, शारीरिक अस्वस्थता अथवा प्रिय वियोग आदि से उत्पन्न मानसिक कष्ट 2. ऐसी बीमारी जिसका निदान न हो रहा हो।

अंतर्व्याम पुं. (तत्.) आंतरिक आकाश, हृदयाकाश, हृदय।

अंतर्व्रण पुं. (तत्.) 1. आंतरिक घाव, ऐसा फोड़ा जिसका मुख अंदर की ओर हो। 2. शरीर की भीतरी चोट।

अंतर्हास पुं. (तत्.) निःशब्द हँसी, ऐसी हँसी जो खुलकर प्रकट न हुई हो, मुस्कराहट, स्मित।

अंतर्हित पुं. (तत्.) 1. जो अंतर्धान हो गया हो, अदृश्य, तिरोहित 2. समाया हुआ 3. निहित 4. गहरा, छिपा हुआ।

अंतर्हित मृदा स्त्री. (तत्.) जलोढ़, लोमी आदि निक्षेपों से ढकी हुई मिट्टी।

अंतर्हिमानी वि. (तत्.) दो हिमानी युगों के बीच के काल से संबंधित।

अंतलोप पुं. (तत्.) व्या. शब्द के अंतिम वर्ण का लोप, अंत्यलोप।

अंतवर्ग पुं. (तत्.) किसी वर्ग के अंतर्गत कोई छोटा वर्ग।

अंतवर्ती सस्य पुं. (तत्.) अतिरिक्त उत्पाद प्राप्त करने के लिए दो मुख्य फसलों के बीच लगाई जाने वाली अल्पावधि में पकने वाली फसल।

अंतवेला स्त्री. (तत्.) मृत्यु की घड़ी।

अंतश्चर्म पु. (तत्.) प्राणि. दे. अंतस्त्वचा।

अंतश्चेतना स्त्री. (तत्.) चेतना का वह अंश जो व्यक्ति के भीतर अवस्थित होता है, आंतरिक चेतना।

अंतशेष पुं. (तत्.) वाणि. अंतिम शेष, रोकड़बाकी। closing balance

अंतसमय पुं. (तत्.) अंतिम समय, मृत्यु का समय, मरण का समय, अंतकाल।

अंतस्तत्त्व पुं. (तत्.) 1. आंतरिक तत्त्व, मन में बात, जो प्रकट न की गई हो।

अंतस्तप्त वि. (तत्.) 1. मानसिक रूप से संतप्त, अंदर से दुःखी 2. अंतर्दाह से पीड़ित रोगी।

अंतस्तल पुं. (तत्.) हृदय, दिल, मन।

अंतस्ताप पुं. (तत्.) 1. आंतरिक संताप, मानसिक कष्ट/दुःख, हृदय की व्यथा 2. आंतरिक ज्वर।

अंतस्त्वक क्रि.वि. (तत्.) त्वचा के नीचे के भाग में जैसे- अंतस्त्वक पीड़ा हो रही है।

अंतस्त्वचा स्त्री. (तत्.) आयु. बाहरी चमड़ी से नीचे की परत, भीतरी चमड़ी। endoderm, endodermis

अंतस्थ वि. (तत्.) अंत में स्थित, आखिरी, अंतिम (इसे भ्रमवश अंतःस्थ मानकर तदनुसार अर्थनिरूपण कर दिया जाता है)।

अंतस्र-अव्यय पुं. (तत्.) हिंदी में इसका प्रयोग प्रायः उपसर्ग के समान होता है, अंतः, अंदर, भीतर, मध्य में, हृदय, मन।

अंतस्सलिला स्त्री. (तत्.) 1. वह नदी जिसकी धारा भूमि के अंदर ही अंदर बहती हो, बाहर